# रामा रामा रटते रटते

रामा रामा, रटते रटते, बीती रे उमरिया ॥
*रघुकुल नंदन, कब आओगे ॥, भिलनी की डगरिया,
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मैं शबरी, भिलनी की जाई, "भजन भाव नहीं जानु रे" ।
राम तुम्हारे, दर्शन के हित, "वन में जीवन पालूं रे" ॥
*चरण कमल से, निर्मल करदो ॥, दासी की झोंपड़िया,
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुबह शाम नित, उठकर मै तो, "चुन चुन कर फल लाऊँगी" ।
अपने प्रभु के, सन्मुख रख के, "प्रेम से भोग लगाऊँगी" ॥
*अपने प्रभु के, दर्शन करने ॥, तरसे यह नज़रिया,
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

रोज सवेरे, वन में जाकर, "रास्ता साफ़ कराती हूँ" ।
अपने प्रभु के, खातिर वन से, "चुन चुन के फल लाती हूँ" ॥
*मीठे मीठे, बेरन से भर ॥, लाई मैं छवडिया,
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

सुँदर श्याम, सलोनी सूरत, "नयनन बीच बसाऊँगी" ।
पद पंकज की, रज धर मस्तक, "चरणों में सीस निवाऊँगी" ॥
*प्रभु जी मुझको, भूल गए क्या ॥, दास की खबरिया,
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

नाथ तुम्हारे, दर्शन के हित, "मैं अबला इक नारी हूँ" ।
दर्शन बिन दोऊ, नैना तरसें, "दिल की बड़ी दुखियारी हूँ" ॥
मुझको दर्शन, दे दो दयामय ॥, डालो मेहर नजरिया॥
रामा रामा रटते रटते,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
राम राम राम, बोलो जय सिया राम xll ,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तीभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14365/title/rama-rama-rat-te-rat-te

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |